

दिल्ली राजपत्र

Delhi Gazette



असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]	दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 24, 2012/भाद्र 2, 1934	[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 129
No. 144]	DELHI, FRIDAY, AUGUST 24, 2012/BHADRA 2, 1934	[N.C.T.D. No. 129

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

व्यापार एवं कर विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 24 अगस्त, 2012

फा. सं. 7(239)/नीति-1/वैट/2009/507-519.—दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 31 के उप-नियम (2) के साथ पठित उक्त नियमों के नियम 2 के उप-नियम 4(ख) तथा दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 36 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं राजेन्द्र कुमार, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर, पहले से अधिसूचित बैंकों के अतिरिक्त, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित कोटक महिन्द्रा बैंक को दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 के अधीन पंजीकृत या पंजीकृत किये जाने योग्य किसी व्यापारी के संबंध में, देय सभी मूल्य संवर्धित कर देयताओं को जमा करने के प्रयोजन के लिए उपयुक्त शासकीय कोषागार के रूप में घोषित करता हूँ।

यह अधिसूचना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अतिरिक्त पूर्वोक्त बैंक द्वारा निम्नलिखित शर्तों के पालन के अधीन है :—

1. जमा राशि को भारतीय रिजर्व बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में मूल्य संवर्धित कर खाता में तीन दिन के अंदर या ऐसे कम समय में जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया गया हो, में जमा किया जायेगा।
2. बिलम्ब से प्रेषित की जाने वाली राशि पर ब्याज लगाया जाएगा जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अद्यतन ब्याज दर से 2 प्रतिशत अधिक होगा। ब्याज की राशि की गणना अवधि नगदी/अंतरण लेन-देन या समाशोधन प्रलेख पारित करने की स्थिति में प्राप्तकर्ता शाखा में चालान प्राप्त की तिथि या धनादेश के नगदीकरण की तिथि से प्रारम्भ होकर बैंक के लिंक शैल द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय में निपटान की तिथि के पूर्व तिथि तक की जायेगी।
3. कर ऑन लाईन कंप्यूटरीकृत पटलों के माध्यम से एकत्रित किया जाएगा जिसके लिए समय-समय पर विभाग द्वारा जारी विशेष विवरण के अनुसार सॉफ्टवेयर विकसित/किंचित परिवर्तन किया जाएगा। सॉफ्टवेयर को विभाग द्वारा आपेक्षित सभी प्रकार के एम.आई.एस. प्रतिवेदन उत्पन्न करने चाहिए। संग्रहित डाटा विभाग द्वारा यथा निर्धारित पद्धति, आवृत्ति और संरचना में इलेक्ट्रॉनिक रूप में विभाग को भी भेजा जाएगा।
4. बैंक को अपनी प्राधिकृत शाखाओं से किसी भी शाखा में किसी भी राशि के सभी कर भुगतान स्वीकार करना अनिवार्य होगा चाहे व्यापारी का बैंक में खाता है या नहीं।
5. बैंक सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के सुरक्षा एवं अन्य प्रावधानों का पालन करेगा।

दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 31 के उपनियम (5) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मूल्य संवर्धित कर की देयताओं के भुगतान के लिए यह भी निर्धारित है कि समस्त पंजीकृत व्यापारी या पंजीकृत किये जाने योग्य किसी व्यापारी एवं अनुबंधी (टैन धारक) दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 के अन्तर्गत अपने देयकर, ब्याज, अर्थदंड या कोई अन्य राशि का भुगतान अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा व्यापार एवं कर विभाग की वेबसाइट (www.dvat.gov.in) से करेंगे।

ऑन लाइन भुगतान योजना की मुख्य विशेषताएं संलग्नक में वर्णित हैं।

यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

राजेन्द्र कुमार, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर

संलग्नक

ऑन लाइन भुगतान योजना की मुख्य विशेषताएं
(विभागीय वेबसाइट— www.dvat.gov.in के माध्यम से)

1. सभी डीलर (टिन होल्डर)/ अनुबंधी (टैन होल्डर) इन्टरनेट के द्वारा विभाग की वेबसाइट से किसी भी समय दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम /अथवा केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत उल्लिखित अपने कर/ब्याज/जुर्माने अथवा अन्य किसी देय का भुगतान अपने स्वयं के बैंक बचत/चालू खाते या किसी अन्य व्यक्ति के खाते से (उसके हेतु) कर सकते हैं।
2. रिटर्न फाइल करने तथा भुगतान के लिए यूजर आईडी व पासवर्ड शुरू करने की प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी। जबकि खाते से भुगतान के लिए ट्रेंडजैक्शन आईडी और पासवर्ड बैंक द्वारा प्रदान किया जायेगा। जिन व्यापारियों के पास विभाग की वेबसाइट पर पहुँच के लिये पहले से ही यूजर आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध हैं, वे उनका उपयोग भुगतान के लिये भी कर सकते हैं।
3. देय राशि के सफल भुगतान के बाद चालान की कॉपी को विभागीय वेबसाइट से प्रिंट किया जा सकता है। उपरोक्त चालान का प्रिंट लेने से पहले 19 डिजिट वाले चालान आइडेंटिफिकेशन नं० (CIN) की जांच कर लें एवं व्यापार एवं कर विभाग में अपनी रिटर्न दाखिल करते समय चालान की प्रति को हस्ताक्षर व मोहर लगाने के बाद संबंधित टैक्स-पीरियड की रिटर्न के साथ में संलग्न कर दें। यह चालान दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 28 के उपनियम 3 के अंतर्गत भुगतान के प्रमाण के रूप में मान्य होगा।

4. भुगतान के बाद अपने खाते से डेबिट किए गए भुगतान की जांच कर लें ।
5. रात्रि आठ बजे से अगले दिवस प्रातः 8 बजे के बीच किए गए भुगतान को अगले कार्य दिवस के भुगतान में गिना जायेगा, जबकि प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक किए गए भुगतान को उसी दिन के भुगतान में गिना जायेगा ।
6. रविवार व अन्य अवकाश के दिनों में किसी भी समय किए गए भुगतान को अगले कार्य दिवस के भुगतान में गिना जायेगा ।

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

NOIFICATION

Delhi, the 24th August, 2012

F. No. 7(239)/P-I/VAT/2009/507-519.—In exercise of the powers conferred under sub-rule (2) of Rule 31 of the Delhi Value Added Tax Rules, 2005, read with clause (b) of sub-rule 4 of Rule 2 of the said Rules and Section 36 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004, I, Rajendra Kumar, Commissioner, Value Added Tax hereby notify **Kotak Mahindra Bank** located in the National Capital Territory of Delhi, in addition to the banks already notified, as the appropriate Government Treasury for the purpose of deposit of all Value Added Tax dues in relation to a dealer, who is registered or is liable to be registered under the Delhi Value Added Tax Act, 2004.

This notification is subject to the fulfillment of following conditions by the aforesaid bank in addition to the guidelines issued by the Reserve Bank of India on this subject:

1. That the funds shall be remitted to the Value Added Tax Account with Reserve Bank of India, Parliament Street, New Delhi within three days or such shorter period as notified by the RBI from time to time.
2. That interest shall be levied on delayed remittance, calculated at the latest 'bank rate plus 2%', as notified by Reserve Bank of India from time to time. Interest will be calculated for the period starting from the date of the receipt, as per challan in case of cash/transfer transaction or date of realization of cheque in case of clearing instruments by the receiving branch to the date preceding the date of settlement by the bank Link Cell with Reserve Bank of India Office.
3. That the tax shall be collected through on-line computerized counters for which software shall be developed/modified as per specifications issued by the Department from time to time. The software

should generate all types of MIS reports required by the Department. The collection data shall also be sent to the Department in an electronic form in the mode, frequency and structures as prescribed by the Department.

4. That it shall be mandatory on banks to accept all tax payments of any denomination, in any of its authorized branches irrespective of the dealer having account with the bank or not.

5. That the bank shall adhere to the security and other provisions of Information Technology Act, 2000.

Further, in exercise of the powers conferred under Sub Rule (5) of Rule 31 of the DVAT Rules, 2005, it is also prescribed that all registered dealers and those who are liable to be registered and contractees (TAN holders) making payment of their tax, interest, penalty or any other amount due under the DVAT Act, 2004, through this Bank, shall make the payment compulsorily through electronic mode of payment through the website of Department of Trade and Taxes (www.dvat.gov.in).

Salient features of e-payment scheme are enclosed at Annexure.

This notification shall come into force with immediate effect.

RAJENDRA KUMAR, Commissioner, Value Added Tax

ANNEXURE

**SALIENT FEATURES OF THE ON-LINE PAYMENT
SCHEME(Through department's website-www.dvat.gov.in)**

1. All dealers(TIN holder)/contractees(TAN holder) can make payment of tax/interest/penalty or other dues under Delhi Value Added Tax Act and /or Central Sales Tax Act through internet from the Department's website at any time from his saving/current account or from any other person's account, on his behalf.
2. User ID and password for filing return and initiating the payment will be provided by the department and the transaction ID and password for making the payment from the account will be provided by the concerned bank. Dealers already having User ID and password to

access the department's website can use the same for payment also.

3. Challan may be printed after successful payment of the dues from the departmental website. Check 19 digit Challan Identification Number (CIN) on the challan before printing the same and enclose copy of the challan after signing and stamping it, with the return of the tax period to which the payment pertains, at the time of filing the return with the Department of Trade and Taxes. Such challan will be accepted as proof of payment for the purpose of sub-rule 3 of Rule 28 of DVAT Rules, 2005.
4. Check the payment so debited from the account statement after transaction.
5. Payments made between 8:00 pm to 8:00 am will be accounted in the next working day's payment while payment made between 8:00am to 8:00 pm on any working day will be accounted for the same day.
6. Payments made at any time on Sundays & holidays will be accounted in the next working day's payment.

3204 84/12-2